

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । यथा यथा कलशगुणिसमन्यतः सदा
आदिर्जनन्यागतकर्मन्तः । अथ कपलिवायुमुत्सृज्य लदनेर्वचनं ब्रूयात् ।
॥ आदित्य पूजा यदि यातः । पूजा मरुतिहाधन आदि लहिया मधुलधि लभि
तः संमाधियान् यकलशः । सेवेद्य न रूपयेन पूजा इज पूजा कथं जल्पेथ
नील सिन्धु पनि थडारः । नित पुत्र मधुल दन के हावना नि ली जन ला हा मि
लका पी च ग र्व वि यं ध लि थम कलि कै व ले मधु ल वा य क पूजा धा नी ति अ

वनायाय स्वकन ललमधुसुख लयगुनूपाकार्यसकसर्नपूजायाय धनं लिखि
 हं नूय कलंगल जवनरु यवजनधियवाकपूजामधुशिले कीमन सगा
 कदेवमा मधुविसरुनः सद्यनद्यायक महनिच्छायविनयूजा दिगुसम
 य जादूस समयाचक गोनवक थकालि कल्या गुलि स्थलिगुनूपाजावि
 धिइलापुर् ॥ ॥ ॐ नमो गायोवला किमधवायः ॥ नूदिवनकं थवि

मणिपत्र

वि कलम गगनमन नाया वडराडा वंचगव यान जमाय यासला केवलध
 वनायाय लिखायगु नमधुल यवगद सिद्धनय मधुथल दिगु लिखा
 यकलेले मगव नाथा मगपूजा रुआय विविथ सिधपनिवा नाजागुन
 मधुल दनक मगय यावक रावना मिजोरुन सलाहागिनलका
 वंचगव विथ ॥ वायिल मगुवुधु धर्म संध मधुल वाय थं वास जमाय वा
 मधुल शाहयल सु गुलि शाय धमधु पाग २ पूजाय स्वकन द मकगुवक

३ वन का आवक मधु याज्ञान

नवन का ३ अर्थ या यज्ञा हा हा २१ न य अ व न का न य ध न लि वा लि वि प	
या क य ज्ञा मधु ल धि ल	कि न न स ग र स उ वि मा व चि न प ज्ञा द काना
कि मु यं ला र्थं नु स ग	ध ल म नि प नि का लं या क ल का य ध नि भ र्ति
वन हा ला भु र्ग ॥	॥ १ थ लि हा हा अ ना अ है का य ना या य ज्ञा यी
मधु ल स अ य ल अ रु य ल यं व ले ल न ह्यै का यै कि न सै का य ना या य ध वि कि ल न	

इ जा

२ ग य गो म र म सि सा ऊ उ र पा क सा गा व जू धै ठ प्र म्पा पार चि ता पु ष्ट क शी र व व च र्ग ध त धा ग न म क र त म को

थी यि गं क ल स वा य क ल स ग ग व न म न म ड व न यं व ग व वा गु यं व क र्ग आ दि भू म म य	
क र्ग वा ला क मा या ग ग धा	ग न वि नै र्ग व लि र्ग आ दि व लि थ ग का य ना या य
मू ला या य या द व द थ स	र वा का या द व ड ड स ड ड मा न या द व ड ड स थ
नि का य ना या य ज्ञा यौ २	वा र्ग गु न म धु यं व ग व सि क ल न य आ दि
पू ज्ञा य नि पा न य ज्ञा म रु नि सा ध न आ दि का य म धु ल धि ल कि न न नै द न	

ना ल य ज्ञा ग क ला य १

उवाच न किं नृपज विना ७

ममका ल वागमात्र विषयसमाग्रद ॥ यिसमाधि ॥ कसमगनममदसरवमगं कथक	
थर्थयूजा ॥ कवयूजा ॥ आ	पावनी लास्नाचि रुसाभमचे जनाय रुजदयूजा ॥
धलिमभुसयूजा कर्मर्थः	का ॥ समसानवलिविय थलिधनकाडासगा ३
तु थहाडायाडा यकदूडम	अमाचवासलाक श्वलयमभुलरायाडा गुनमभु
दन यकदूडमभुयूजा दनकाक नकसुगकासा नाडागय नभुकाकपूया	किं कुशा

डासे स्वयनिदगवानग नसमभुनक रावना राडवकभ निनां ऊन लागिले का ॥ रु	दगका सुशान्ति वाचकमभुलक ॥ क
नं स्वकन ॥ रावना ॥ निना	ऊन लागिले आ पि का या विखान ॥ भूमगस्था
नकन गया ॥ सिखायियः	कंदगवानाडा यकदूडमल भमाय यासला श्वलययाद
लसीनयाके ॥ रुडका फादू	किदा दाडावजगाथि यय सीयक नौग वियथ
तिधनकाडा थडा श्थमसम	नयस्वकन ॥ रुकसरावेय ॥ अमिगक न्द लिमन
कन कस ॥ रुग कस ॥ रावमहिलारि थन श्रिया ॥	॥ थालेनेका हाडा मशु

सधियक कि नमः सता कलखि माये न वि सरु न स गवन द्या य वि न यू जा द रु नाः
 म ल म ह नि यं व शः ल का का य म द सान अ न य मा ल ॥ जै दि गु स म य न म
 ल या ल थू लि ल हि यः म स य ॥ प ला र्य ड ॥ ग ना रु ल ॥ ग न र व क थ गि न वि वा स
 न कि धि ॥ ॥ ल न क न सि र्वे य नि ज्ञा र्यो सूर्यो द्या ल म सा म श ना डाः
 गु न या द न स न या यः ख प्र य लि आ क न स व प्र स रि न सो भू स न कू ड लि म ग डा
 य या च के ॥ थ नि दू स डा क या क थ रु ला शु रं ॥ ॥

॥ ३ ॥ न मा ग र म ॥ ॥ ॥ दि रु र न क्रा वां ॥ अ यो र्य र या क य वि सा हा नि ल क न य न का ड
 म ल सा ग म ल स दू ला वि आ ना डो म थू र व न स्या ग वी ला व स र न य य ॥ थ दि व न का
 श द न स ग व न आ द न क म या ल छा य ना या य ॥ ॥ श वा मं ग नू म लु ल द न य व ग
 वा म ॥ स काल ग य भू दि यू डा प्र नि या ग य श म रु नि स म ग सा य ॥ आ दि ल हि
 या ॥ गाल यू डा गाल क्रा य स म थि ल स्या न ग न म्भु मि स ना रु ल म ॥ नौ द न म
 लान ना ग सा ला गी न वि ष य स भा ग रु वा व लि वि स ड न ॥ ॥ वि स मा वि क ल स ख न

३ ॥ र पा ध्मान न्ग री वो पू जा या ना वो छो य क ल

॥ ३ ॥ न मा ग र म ॥ ॥ ॥ दि रु र न क्रा वां ॥ अ यो र्य र या क य वि सा हा नि ल क न य न का ड

गंकलसकर्मनयडाथसिमासकि यडा यडा जायाधनिलाकथार्थपुजासमुलप
 डाकं लथार्थजायाधनिलाः निस्त्राचिजस्वानेवके जेमायपंजीघुनगायहैअद॥
 ॥थलिअरसमसान बलिविथमिधनकासागुयागसिद्धलयायआवा
 योयासागुयानिक्कसयीव धमननिययंवरितनय॥दिदिवाअकधुपनाकोरा
 गाअरुअरुस्वानमाला॥आ नार्थनवडुधं०स्वानमालाजाडवडुधुविदकाः
 स॥नरुकस्यंदानदनेयद्वलस्वानमालदयागुयायाहाययानाडाथडाकलसदिने

पमातिश्वक३

गलगमथवासकपाहिश्वकविय॥यागुविश्वक॥रावना॥अचवमाधासिधनकाअमकन
 नकुलसाधियक॥मकुगति श्वकविय॥अचवमाधासिधनका॥वडाहिश्वक॥अचवमा
 रावना॥अचधमिश्वक॥वडा तंअरुसिनालिगनमडा॥नामाकैहिश्वक॥अचवमा
 वना॥वडाआर्याहिश्वक॥ श्वकन॥अंथसमयअचवमागांवना॥मनुषदान॥
 अरुनातिश्वक॥दयनाहिश्वक॥वं नाहिश्वकथमिदसाहिक॥४सीस्वलस्वनहा

जिज्जम्भनानृषकासंसुसपुदविहायायवाधवाधवनमाधवा

राधनिधिआकर्म

॥

धननिदादाडाडाधवाकयूज

रामधुनाथिलस्वाननआसिर्वायमधुलविसङ्गनासम्भगय

मदनिदायमत्रिगुजाराधनिधु

नकाडावायश्चमालिजदिगकाभमलवायदिकवासमयायव

रायंलायगुनसंगाकल

विनिदिसङ्गनामीगकाशिलवसा॥नृषवाधजायमिगयरास

ग्वंविशक॥ रागहायकक

लंखद्याय॥

राधनिधिआविधिमाय॥

॥

विनिदायाडाभनिरकमोधनकाडाःपुष्पायायकच्छाकलसुग्वसमगयश्चकम्भवाधेनान्नकृच्छ

लेकामेनंस्वपनयाय॥७वासंगुनमधुलयश्चगवासिधुगसंज्जदिपूजाप्रतिपादयूजानमादनि
साध्वराआदिसमयरावापूजागा
नृत्तामसमाधिकर्सेलेसग्व
देवपूजागराआयाधुनिना
जिष्ययनिसकभनंयाय॥यद
वियसिंधुहाय॥४दवर्देमो॥४नालाय॥मिनिवालायिमासादनिधेकधवा॥धनिधुनडाडा॥पुष्प

क्षयनानंदिनस्काल॥नागमाना॥गीनविस्वसनाः
पगकुलनायापूजा॥श्रुतिस्वपनमामकिपूश्चकम्भदजा
लानाविर्जस्वानेचमुयमपूयंलघुगुनास्वांज्जनायर्ज्य
श्रुदवाधुलपूजाकधनंयवद्वनिआधुनिय॥४पू॥४वनि
मिनिवालायिमासादनिधेकधवा॥धनिधुनडाडा॥पुष्प

युष्मद्भ्य २ हागाव २

रुद्रय हागादय मांसादनिद्रय व्याजियदन वा कृमावियुजा राणिशा विदासना हायाद्रुमिमधुलाधि
वस्त्राकानेकुमिमधुलविसरु नवसम्भवादानिद्रायवाधियुजावाधान निमयादद्विधा
दिगुसमयवदि कृमावियुजा वय ॥ आदित्रदियसमयावक ॥ हायाद्रुमिमधुलविस
ऊन विलेदव गाविसरु ॥ धन कलहाव ॥ आवागुये कल्यां सुत्रयनिधुनवाडा हाया
निरुविशेकलहायादडामेयन शा ॥ नवसंगु वृधवडा हाय मागान् आरुवियक हायाधव
गुह्यनकसं कलहाकाय ॥ धनीले सग्वकाय ॥ महवक ॥ कलंखकाय ॥ ॥ धागिदिआविधि ॥ वमथि

जिर्वाद्मलुविसरुनविगयजादकृमा ॥ दिगुसमय ॥ धनसिसरु वाडानयाय कलंखकाय ॥ ॥
मृदुदलवपन वास्यं मृदाव्ययनयाय मृदावका ॥ गितहाकारुनका ॥ मृदाननिया ॥ गिमधनधन ॥
सागायागसिधकाया ॥ वकृष्ण विनरुमनवयुदि सि वागा काषागम् कर्णय गाकुंजनमय
उमन व वागुयाया ॥ ववागनहि वडादि संस्वानमालाजाताडा मूलमननजाययाय स्वातसा
वाथडाउलसीदिना ॥ थलिधुमाडा स्वातमालाजाताडा दालवल्मननकनृकृष्णं कनृम उपदकृष्ण

डावाथा न जागं वा वक्राया वामागं वा द्वाया ५५

ॐ नमः श्रीवज्रवामाक्षे शास्त्रिकृष्णयुक्ताविधि कथना ॥ १० वासुदेव नमः ॥ नारायण गव्या ॥ २५ ॥ शिख
१० ॥ आय निमोक्षवक वाय निमोक्षव कयजा पावकजायं च कयजा वदया गिलियजा मुखझाडाव
लियजा कंधापावकजा कंधापावकजा गिलियजा सदस्यथा नुयायलवदस्यथा सायनय
शिखगय पागियदयजा माद निमाधन मादिममय ॥ ॥ मनुष्ये लसु गोहागाकुव
दगुलिवं सवन निमोक्ष कलल कलल हासग थापियजा कथयवादमयजा माया माया
साविजस्वानेमावसुतायसु सदयजा ॥ वाकयजा मनु लिलसु तिजा गाकु नकुसायन मा

याया॥ अष्टि धूपम राकहा लाहय गाल लाय॥ या लाया या लाया नय॥ अष्टि वलि विय॥ नौ देत
महाका॥ गि गविंछांछा जाल द॥ द नंछिल गुम अवि कन॥ नृय का स्य॥ ^{नमः श्री विष्णु} हलाक॥ अष्टि या य या
दय जा॥ गी ग उमहि मनु॥ ^{हलाक॥} या वं क॥ नृय जी गा॥ य मादे ता॥ हलाक॥ नृय ना
दस्य गितय क॥ ॥ अथा ^{ग वं न काडा॥} सिव या ने गु नृस लुद ना॥ ला व न ला द
गिल का॥ नंद मनु याय क॥ गु नृस लुद ला द ला॥ से ला व मु गय॥ आवि छ म नं वा लां ग वं वं
गया॥ अष्टि य ग न गय॥ या ग ह म वं ग रा स्यां छिल स दि व कं त म्या॥ डा प थ क डा क डा क थ दि यः

• त्रिकायाधिष्ठान २

कासाया न जान कंय मति कास द गय नास कला यंद वल वासं यं यं स मया या मधु
 युः मैया ग के का रं व या न का नि न स स द वा ठ ला वि या स क ला नू ग ल स वि या स क ला
 म द न ला लि क्तु स ग या स क ला वा थ न लि ला व ड ला व ला म क य न र्य ध
 य थ ना गी न न म र्का नृ या न के ना सा या न सा य कं द म य ना म उ डाय का डा सान
 म उ स द्वा या वि सृ ज ला मू ध य र्ग को का या द व द र्ग या ग का द व द्वा या ग क ड
 म उ या वा य या न न या स कं न स क ल क न धू स्य नि थ डो य डो थ ड स स स वि ग र्ग न य

गु न म लु द न को अ व व ला वा व ल ला हा ये ल का रि का या धि क्त न हा नं अ व व ला
 क ला क ल ड रि व क वि या अ व व ला या ग रि व क वि या थ न लि य मू ज न ति या मू ल
 वा ग दि सि का वा म क र्क य ग स न मा ला मू ज न त य ॥ डू ड न म लु या ता
 वा ले र क ग य धू द म क या ॥ थ यं कि त य ॥ अ ति धू न का डा ॥ हो ख न
 या या गु न म लु ना सें थ ग या आ दि सें म रा व जा या य वि ग या द व जा म द नि ता थ ॥ ग
 १ दि स म या म उ वि ले सु गि हा ता क ला म उ वि ड र्क न व ड वा ना दि द गु लिय

आयशा गहस रुविशः तनतु आवैस

योऽहं गत्व तं तथैव यः प्रजायते ॥ देव प्रजा ॥ तद्धृतिस्तानि विदुः स्वा नैदिदं विसृज्य
 यं तां च कुतः ॥ उमं नृषो गवा यडा न्मरु क रुव कं ॥ ६१ ॥ देव प्रजा योऽहं मं लुं चिन्ता ॥ स्त्रि
 न सुमि ॥ ६२ ॥ गान्धर्व मं लुं वि मरु ॥ ६३ ॥ स गव न सुया ॥ वि न यजा द रुमा ॥ ६४ ॥ या तार्य
 रव क ता ॥ ६५ ॥ दि शु स मया ॥ ६६ ॥ घृष्ठा आ वृ ल दियौ ॥ ६७ ॥ स्मृति य न काडा ॥ ६८ ॥ य ह ई य
 य नि कृ तं ॥ ६९ ॥ थय ल य क थं थ ॥ ७० ॥ म च म नृ ति र्म क थ र्थ य जा ॥ ७१ ॥ देव ता इ ति ॥ ७२ ॥ व न काडा
 वे स्वा न न ल स्य स्यं द कायाडा ॥ ७३ ॥ उ वा र्था या कृ षा न तायाडा ॥ ७४ ॥ य नि कृ तं य जा ॥ ७५ ॥ मां ता इ

[illegible]

ज्ञान भाग यदुताः ॥ ८३ ॥ गयः कः सः सुतः ॥ दः सः सुतः न किर्न वयादि नः नः ॥
 व्यपनिहंताय हाता गीतर्ददिने ॥ ८४ ॥ काः सः ॥ ८५ ॥ काः सः ॥ ८६ ॥ काः सः ॥ ८७ ॥ काः सः ॥ ८८ ॥ काः सः ॥ ८९ ॥ काः सः ॥ ९० ॥ काः सः ॥ ९१ ॥ काः सः ॥ ९२ ॥ काः सः ॥ ९३ ॥ काः सः ॥ ९४ ॥ काः सः ॥ ९५ ॥ काः सः ॥ ९६ ॥ काः सः ॥ ९७ ॥ काः सः ॥ ९८ ॥ काः सः ॥ ९९ ॥ काः सः ॥ १०० ॥ काः सः ॥

पु	अममान	कः सः	दः सः	ज्ञान	दः सः	दिपाल	पर्वत	वेत	मिवलि	दः सः
उ	चंद्रागुह	अभिना	वृषाघरी	वासुकि	दिमिष	उदय	सिख	सः सः	सः सः	सः सः
उ	गहल	पुनधु	रुद्रायनी	तकक	पिष्य	मलय	कः सः	अर्धकन	महासिन्हा	महासिन्हा
य	ज्वालीक	दः सः	कः सः	ककीटक	अः सः	वः सः	केला	मार्गीव	महासिन्हा	महासिन्हा
ह	कलिक	कः सः	काशहि	पः सः	चटक	कः सः	मः सः	सैत्कम	महासिन्हा	महासिन्हा
अ	अट्टहास	काठ	कामावि	अः सः	कः सः	अः सः	माहन्	चिह्न	महासिन्हा	महासिन्हा
न	रसिवरुहा	अः सः	वेधुवि	अः सः	पर्वति	नः सः	गन्धमार्श	काय	महासिन्हा	महासिन्हा
वा	धामन्धका	सैहान	चामुद	कुलिक	अः सः	वामुव	हः सः	नः सः	महासिन्हा	महासिन्हा
कू	किलिश्लाल	गेष	महालक्ष्मि	सैधपाल	वटक	अः सः	विन्धभी	वः सः	महासिन्हा	महासिन्हा

